मसीह की दुल्हन (चर्च)

अमेज़िंग फ़ैक्ट्स
अध्ययन संदर्शिका
23

बाइबल कहती है कि एक देह, या कलीसिया है, जिसमें यीशु अपने अंत-समय के लोगों को मसीह की दुल्हन बुलाता है। कुछ लोगों के लिए, यह हतोत्साहित करने वाला है, क्योंकि आज हजारों कलीसिया हैं जो खुद को मसीही कहते हैं, उनमें से हर एक परमेश्वर के कलीसिया होने का दावा करती है, फिर भी वे बाइबल की व्याख्या, विश्वास और अभ्यास में व्यापक रूप से भिन्न होते हैं। सच्चाई के ईमानदार खोजी के लिए यह असंभव है कि वह प्रत्येक के दावों की जाँच करे। हालांकि, हम आभारी हैं कि यीशु ने इस तरह विस्तार से, अपने कलीसिया का वर्णन करके इस दुविधा को हल किया है, कि आप इसे आसानी से पहचान सकते हैं! यह वर्णन, ज्वलंत और शक्तिशाली है, प्रकाशितवाक्य 12 और 14 में पाया गया है, और यह आपको अद्भुत सच्चाई से रोमांचित करेगा जो आपको अंत समय में मदद करेगा।

नोट: *इन परिवर्तनकारी सत्यों में खोज की अपनी यात्रा शुरू करने से पहले कृपया प्रकाशितवाक्य 12:1-17 पढ़िए।*

1 यीशु किस भविष्यवाणी के प्रतीक से अपने सच्ची कलीसिया को दर्शाता है?

"सिय्योन की सुन्दर और सुकुमार बेटी" (यिर्मयाह 6:2)। "आओ, हम आनन्दित और मगन हों, और उसकी स्तुति करें, क्योंकि मेम्ने का विवाह आ पहुँचा है, और उसकी दुल्हिन ने अपने आप को तैयार कर लिया है। उसको शुद्ध और चमकदार महीन मलमल पहिनने का अधिकार दिया गया" (प्रकाशितवाक्य 19:7, 8)।

उत्तर: हमने अध्ययन संदर्शिका 22 में सीखा है कि यीशु अपने सच्ची कलीसिया (सिय्योन की बेटी) को या एक शुद्ध स्त्री के रूप में दर्शाता है, और झूठे, धर्मत्यागी कलीसियाओं को एक वेश्या के रूप में। (**2 कुरिंथियों 11:2** भी देखें; **इफिसियों 5:22, 23**; और **यशायाह 51:16**)।

2 प्रकाशितवाक्य 12:1 में, यीशु अपनी कलीसिया को “सूर्य को ओढ़े” हुए दर्शाता है, “उसके पैरों के नीचे चाँद” और वह बारह सितारों का “ताज पहने हुए” है। इन प्रतीकों का क्या अर्थ है?

उत्तर: सूर्य, यीशु, उसका सुसमाचार, और उसकी धार्मिकता का प्रतीक है। “परमेश्वर सूर्य है” (भजन संहिता 84:11)। (मलाकी 4:2 भी देखें)। यीशु के बिना कोई उद्धार नहीं है (प्रेरितों के काम 4:12)। किसी और चीज से ज्यादा, यीशु चाहता है कि उसकी कलीसिया उसकी उपस्थिति और महिमा से परिपूर्ण हो जाए। “उसके पैरों के नीचे चंद्रमा” पुराने नियम की बलिदान प्रणाली का प्रतीक है। जिस प्रकार से चंद्रमा सूर्य की रोशनी को प्रतिबिंबित करता है, इसलिए बलिदान प्रणाली आध्यात्मिक रूप से सहायक थी क्योंकि यह आनेवाले मसीहा के प्रकाश को प्रतिबिंबित करती है (इब्रानियों 10:1)। “बारह सितारों का मुकुट” 12 शिष्यों के काम का प्रतीक है, जिसका ताज नए नियम के कलीसिया के प्रारंभिक वर्षों ने पहना।

3 इसके बाद, भविष्यवाणी में कहा गया है कि स्त्री श्रम में है, एक बच्चे को जनने वाली है जो एक दिन लोहे की छड़ी से सभी राष्ट्रों पर शासन करेगा। तब उसने एक “बालक” को जन्म दिया, और बाद में उसे स्वर्ग में परमेश्वर के सिंहासन पर ले जाया गया (प्रकाशितवाक्य 12:1, 2, 5)। यह बच्चा कौन था?

उत्तर: वह बच्चा यीशु था। वह एक दिन लोहे की छड़ी से सभी राष्ट्रों पर शासन करेगा (प्रकाशितवाक्य 19:13-15; भजन संहिता 2:7-9; यूहन्ना 1:1-3, 14)। यीशु, जो हमारे पापों के लिए क्रूस पर चढ़ाया गया था, मृतकों में से उठाया गया और स्वर्ग में चढ़ गया (प्रेरितों के काम 1:9-11)। हमारे जीवन में उसकी पुनरुत्थान शक्ति उसके लोगों के लिए यीशु के आवश्यक उपहारों में से एक है (फिलिप्पियों 3:10)।

4 प्रकाशितवाक्य 12:3, 4 “एक बड़े, लाल अजगर” को पेश करती है, जिसने “बालक” से घृणा की और जन्म के समय उसे मारने की कोशिश की। (आप अध्ययन संदर्शिका - 20 से अजगर को याद कर सकते हैं।) अजगर कौन था?

उत्तर: अजगर शैतान का प्रतीक है, जिसे स्वर्ग से बाहर निकाल दिया गया था (प्रकाशितवाक्य 12:7-9) और जो यीशु के जन्म के समय मूर्तिपूजक रोमी साम्राज्य के माध्यम से काम कर रहा था। जिस शासक ने जन्म के समय यीशु को मारने की कोशिश की वह हेरोदेस था, जो मूर्तिपूजक रोम के नीचे एक राजा था। उसने बैतुलहम के सभी नर शिशुओं को मार डाला, इस उम्मीद के साथ कि उनमें से एक शिशु, यीशु होगा (मत्ती 2:16)।

5 अजगर के “सात सिर” और “दस सींग” का अर्थ क्या है, और “स्वर्ग के सितारों में से एक तिहाई” के पृथ्वी पर गिराए जाने का क्या अर्थ है?

उत्तर: “सात सिर” सात पहाड़ियों या पहाड़ों का प्रतीक है जिन पर रोम बनाया गया था (प्रकाशितवाक्य 17:9, 10)। अब हमारे अध्ययन संदर्शिकाओं में हम तीन बार सात सिर और 10 सींगों के वाले एक पशु को देख चुके हैं (प्रकाशितवाक्य 12:3; 13:1; 17:3)। “दस सींग” सरकारों या राष्ट्रों का प्रतीक हैं, जो परमेश्वर के लोगों और कलीसिया के उत्पीड़न में प्रमुख शक्तियों का समर्थन करते हैं। रोम के कार्यकाल के दौरान (प्रकाशितवाक्य 12:3, 4), वे 10 बर्बर जातियों के प्रतीक थे जिन्होंने अंततः रोमी साम्राज्य को गिराने में पोपतंत्र का समर्थन किया (दानिय्येल 7:23, 24)। बाद में ये जनजाति आधुनिक यूरोप बन गईं। आखिरी दिनों में, वे अंत-समय के गठबंधन में दुनिया के सभी राष्ट्रों का प्रतीक हैं (प्रकाशितवाक्य 16:14; 17:12, 13, 16) जो परमेश्वर के लोगों के खिलाफ उनके युद्ध में “बड़े बाबुल” का समर्थन करेंगे। “स्वर्ग के सितारों में से एक तिहाई”

वे स्वर्गदूत हैं जिन्होंने लूसिफर को स्वर्ग में अपने विद्रोह में समर्थन दिया और जिन्हें उनके साथ गिरा दिया गया (प्रकाशितवाक्य 12:9; लूका 10:18; यशायाह 14:12)।

एक समीक्षा और सारांश

अब तक, भविष्यवाणी में निम्नलिखित बाइबल तथ्यों को शामिल किया गया है:

1. परमेश्वर की सच्ची कलीसिया एक शुद्ध स्त्री के रूप में प्रकट होता है।
2. यीशु कलीसिया में पैदा हुआ है।
3. शैतान, मूर्तिपूजक रोम के राजा हेरोदेस के माध्यम से काम कर रहा है, यीशु को मारने की कोशिश करता है।
4. शैतान की योजना असफल रही।
5. यीशु का आरोहण चित्रित किया गया है।

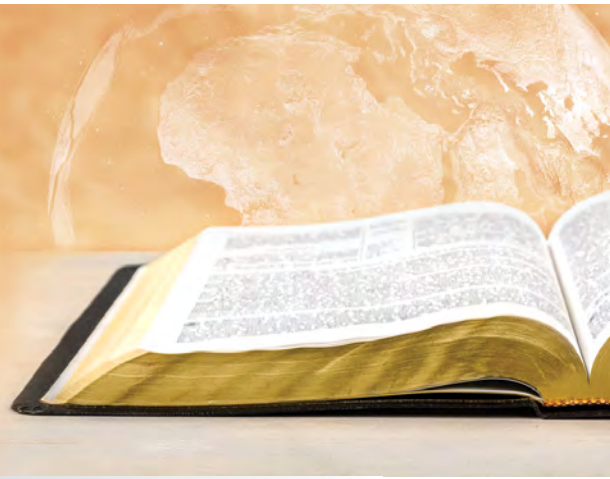

6 यीशु को नष्ट करने की अपनी योजना में विफल होने के बाद शैतान ने क्या किया?

"जब अजगर ने देखा कि मैं पृथ्वी पर गिरा दिया गया हूँ, तो उस स्त्री को जो बेटा जनी थी, सताया" (प्रकाशितवाक्य 12:13)।

उत्तर: चूँकि वह अब यीशु पर व्यक्तिगत रूप से हमला करने में सक्षम नहीं था, इसलिए उसने क्रोध में परमेश्वर की कलीसिया और उसके लोगों का उत्पीड़न किया।

पहचान करने वाले छः तर्क

प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 और 14 में, यीशु हमें अपने अंत-समय की कलीसिया की पहचान करने के लिए छह वर्णनात्मक तर्क देता है। जब आप इस अध्ययन संदर्शिका के शेष अंश का अध्ययन करते हैं तो इनपर ध्यान दें।

7 प्रकाशितवाक्य 12:6, 14 में, स्त्री (कलीसिया) ने खुद को बचाने के लिए क्या किया और "जंगल" क्या है?

उत्तर: 6 और 14 के पद कहते हैं, "स्त्री उस जंगल में भाग गई," जहाँ वह शैतान, जो पोपतांत्रिक रोम के माध्यम से काम कर रहा था, के क्रोध से "साढ़े तीन साल" (या 1,260 वर्ष) के लिए संरक्षित थी। "दो पंख" संरक्षण और समर्थन के प्रतीक हैं, जो परमेश्वर ने "जंगल" में उसके समय के दौरान कलीसिया को दिया (निर्गमन 19:4; व्यवस्थाविवरण 32:11)। जंगल में बिताए गए समय में पोपतंत्र की प्रमुखता और उत्पीड़न (ए.डी. 538 से 1798) की 1,260 वर्ष की अवधि है, जिसे बाइबल

की भविष्यवाणी में बार-बार उल्लेख किया गया है। याद रखें, भविष्यवाणी का एक दिन एक वर्ष (यहेजकेल 4:6) के बराबर है।

"जंगल" शब्द पृथ्वी के एकान्त स्थानों (पहाड़ों, गुफाओं, जंगलों, आदि) को संदर्भित करता है जहाँ परमेश्वर के लोग सम्पूर्ण विनाश से छुप सकते थे और बच सकते थे (इब्रानियों 11:37, 38)। और जो छिपे थे वे थे- वाल्डेंस, अल्बिजेंस, ह्यूग्नॉट्स, और कई अन्य। यदि वे भाग्य से इस विनाशकारी उत्पीड़न के दौरान जंगल में भागते नहीं और जंगल में छुपते नहीं तो शैतान के लोगों ने परमेश्वर (उसकी कलीसिया) लोगों को समाप्त कर दिया होता। 40 साल की अवधि में, "जेसुइट्स के आदेश की शुरुआत से, 1540 से 1580 तक की अवधि में, नौ लाख लोग नाश किये गए थे। 30 वर्षों में जाँच में एक लाख पचास हजार लोग मारे गए।" कम से कम ५० लाख लोग, इस 1,260 वर्ष की अवधि के दौरान, अपने विश्वास के लिए मारे गए। इन वर्षों के दौरान परमेश्वर की कलीसिया एक आधिकारिक संगठन के रूप में अस्तित्व में नहीं था, ई. 538 से 17 9 8 तक, यह जीवित था लेकिन संगठन के रूप में पहचाने जाने योग्य नहीं था। जब यह 1,260 साल के बाद छिपने से बाहर आया, तो इसकी अभी भी वही सिद्धांत और विशेषताएँ थी जो प्रेरित कलीसिया की थी, जिसने ई. 538 में "जंगल" में प्रवेश किया था।

अब हमने यीशु के अंत समय की कलीसिया के लिए हमारी पहली दो पहचान तर्कों की खोज की है:

1. यह ई. 538 और 1798 के बीच एक संगठन के रूप में आधिकारिक तौर पर मौजूद नहीं थी।

2. यह फिर उठता है और उसके अंत समय के काम को ई. 1798 के बाद करता है।

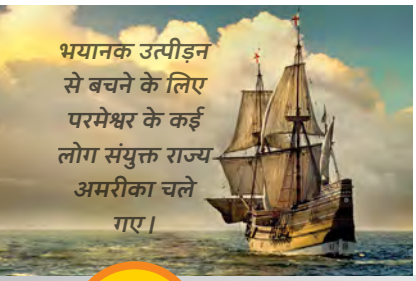

भयानक उत्पीड़न से बचने के लिए परमेश्वर के कई लोग संयुक्त राज्य अमरीका चले गए।

ई. 1798 से पहले अस्तित्व में आधिकारिक तौर पर कलीसियाओं में कई प्रेमपूर्ण, वास्तविक मसीही थे। लेकिन इनमें से कोई भी कलीसिया परमेश्वर की अंत-समय की कलीसिया नहीं हो सकती है जिसमें यीशु अपने सभी लोगों को बुला रहा है, क्योंकि यीशु के अंत-समय की कलीसिया 1798 के बाद उठती है। इसका मतलब है कि अधिकांश लोकप्रिय प्रोटेस्टेंट कलीसिया परमेश्वर के अंत-समय की कलीसिया नहीं हो सकती क्योंकि वे 1798 से पहले आधिकारिक तौर पर अस्तित्व में थे।

8 प्रकाशितवाक्य 12:17 में, परमेश्वर ने अपने अंत-समय की कलीसिया को शेष कहती ही। "शेष" शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर: इसका मतलब अंतिम बचा हुआ भाग है। यीशु ने कलीसिया के संदर्भ में, इसका मतलब है कि आखिरी दिनों की उसकी कलीसिया, जो पूरी तरह से पवित्रशास्त्र पर आधारित है, जैसी कि प्रेरित कलीसिया थी।

कपड़े का एक शेष थान का आखिरी बचा हुआ हिस्सा है। यह एक ही थान के पहले टुकड़े से मेल खाता है।

9 प्रकाशितवाक्य 12:17 में, यीशु ने अपने अंत-समय की कलीसिया को क्या अतिरिक्त दो-तर्क विवरण दिए?

उत्तर: यह चौथी आज्ञा के सातवें दिन के सब्त के साथ सभी दस आज्ञाओं को मानेगी (यूहन्ना 14:15; प्रकाशितवाक्य 22:14)। इसमें "यीशु की गवाही" भी होगी, जिसके बारे में बाइबल हमें बताती है कि भविष्यवाणी की आत्मा है (प्रकाशितवाक्य 19:10)। (भविष्यवाणी के वरदान की पूर्ण स्पष्टीकरण के लिए अध्ययन संदर्शिका 24 देखें)।

अब हमारे पास यीशु के आखिरी दो तर्क हैं जो उसकी अंत-समय की शेष कलीसिया की पहचान हैं:

3. यह परमेश्वर की आज्ञाओं को मानेगी, जिसमें उसके सातवें दिन के सब्त की चौथी आज्ञा भी है।

4. यह भविष्यवाणी का वरदान होगा।

याद रखें कि कई ईमानदार मसीही उन कलीसियाओं में पाए जाते हैं जो सब्त को नहीं रखते हैं या जिनके पास भविष्यवाणी का वरदान नहीं हैं, ये कलीसिया परमेश्वर की शेष अंत-समय की कलीसिया नहीं हो सकती हैं जिसमें यीशु अंतिम दिनों में मसीहीयों को बुला रहा है क्योंकि परमेश्वर की अंत-समय की कलीसिया परमेश्वर की सभी आज्ञाओं को मानती है और उसके पास भविष्यवाणी का वरदान है।

10 परमेश्वर की शेष कलीसिया के लिए पहचान के आखिरी दो तर्क के बारे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक क्या कहती हैं?

उत्तर: छः में से अंतिम दो तर्क हैं:

5. यह एक विश्वव्यापी मिशनरी कलीसिया होगी (प्रकाशितवाक्य 14:6)।

6. यह प्रकाशितवाक्य 14:6-14 के तीन स्वर्गदूतों के संदेशों का प्रचार करेगी, जिन्हें संक्षेप में नीचे सारांशित किया गया है।

क. परमेश्वर का न्याय आ गया है। उसकी स्तुति करो! परमेश्वर के अंत-समय की कलीसिया को प्रचार करना चाहिए कि न्याय 1844 में शुरू हो चुका है (अध्ययन संदर्शिकाएं 18 और 19 देखें)। यह लोगों को "पृथ्वी और समुद्र और जल के सोते" बनाने वाले की स्तुति करने को कहता है (प्रकाशितवाक्य 14:7)। हम परमेश्वर की स्तुति सृष्टिकर्ता के रूप में कैसे कर सकते हैं? परमेश्वर ने चौथी आज्ञा में जवाब लिखा। "तू विश्रामदिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना। ... क्योंकि छः दिन में यहोवा ने आकाश, और पृथ्वी, और समुद्र, और जो कुछ उनमें हैं, सब को बनाया, और सातवें दिन विश्राम किया; इस कारण यहोवा ने विश्रामदिन को आशीष दी और उसको पवित्र ठहराया" (निर्गमन 20:8, 11)। तो, पहले

स्वर्गदूत का संदेश सभी को सातवें दिन के सब्त को पवित्र रखकर परमेश्वर की स्तुति करने की आज्ञा देता है, जिसे उसने सृष्टि के यादगारी के रूप में दिया था।

ख. बाबुल की पतित कलीसियाओं से बाहर निकलो।

ग. पशु की उपासना न करें या उसके मुहर को प्राप्त न करें, जो रविवार को सच्चे सब्त के स्थान पर पवित्र दिन के रूप में रखता है। सभी नकली आदेशों से सावधान रहें।

आइए अब छः तर्कों की समीक्षा करें जो यीशु हमें अपने अंत-समय की शेष कलीसिया की पहचान करने के लिए देता है:

1. यह ई. 538 और 1798 के बीच एक आधिकारिक संगठन के रूप में अस्तित्व में नहीं होगी।
2. यह उठकर 1798 के बाद अपना काम करेगी
3. यह सातवें दिन के सब्त सहित दस आज्ञाओं को मानेगी।
4. उसके पास भविष्यवाणी का वरदान होगा।
5. यह एक विश्वव्यापी मिशनरी कलीसिया होगी।
6. यह **प्रकाशितवाक्य 14:6-14** के यीशु के तीन-सूत्रीय संदेश को सिखाएगा और प्रचार करेगा ।

11 अब जब हमने उसकी अंत-समय की शेष कलीसिया के लिए यीशु के छः पहचान तर्कों को स्थापित कर लिया है, तो यीशु हमें क्या करने को कहता और इसकी क्या नतीजे हैं?

उत्तर: "ढूँढ़ो तो तुम पाओगे" (**मत्ती 7:7**)। यीशु ने इन छः विशेष लक्षणों को दिया और कहा, "मेरे कलीसिया को ढूँढ़ो।" वह वादा करता है कि जो लोग स्वर्गीय चीज़ों की तलाश मेंहैं वह उन्हें मिल जाएगा।

12 इन छह विशेष लक्षणों में कितनी कलीसिया उपयुक्त बैठती हैं?

उत्तर: यीशु ने इस तरह के विशेष लक्षण दिए कि वे केवल एक कलीसिया में उपयुक्त बैठते हैं। यीशु ने अस्पष्ट सामान्यताओं को नहीं दिया जैसे "मेरे कलीसिया में बहुत से अच्छे लोग होंगे" और "कुछ पाखंडी भी होंगे।" उन दो तर्कों में कितने कलीसिया उपयुक्त होंगे? सभी होंगे। उन दो तर्कों में, कोने के किराने की दुकान और बीच शहर के नागरिक क्लब भी उपयुक्त हैं! वे सब कुछ में उपयुक्त होंगे, और इस प्रकार उनका कुछ मतलब नहीं होगा। इसके बजाए, यीशु ने इस तरह के विशिष्ट, अत्यधिक वर्णनात्मक तर्क दिए कि वे सिर्फ और सिर्फ एक कलीसिया पर-सातवें दिन के सब्त को मानने वाले कलीसिया उपयुक्त बैठता है। आइए विशेष लक्षणों को दोबारा जाँचें।

सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया:

1. ई. 538 और 1798 के बीच एक आधिकारिक संगठन के रूप में अस्तित्व में नहीं था
2. 1798 के बाद उभरा। यह 1840 के दशक के आरंभ में शुरू हुआ।
3. परमेश्वर के सातवें दिन के सब्त सहित दस आज्ञाओं को रखता है।
4. भविष्यवाणी का वरदान है।
5. एक विश्वव्यापी मिशनरी कलीसिया है, जो आज लगभग सभी देशों में काम कर रहा है।
6. प्रकाशितवाक्य 14:6-14 के यीशु के तीन-सूत्रीय संदेश को सिखाता है और प्रचार करता है।

यीशु आपको इन छह विशेष लक्षणों को लेने और खुद से जाँचने को कहता है। यह आसान है। आप यह नहीं चूक सकते हैं।

__नोट:__ कृपया याद रखें कि कलीसियाओं में बहुत से प्रेमी मसीही हैं, जिनमें ये तर्क उपयुक्त नहीं हैं, लेकिन ऐसी कोई भी कलीसिया परमेश्वर के अंत-समय की शेष नहीं हो सकती है जिसमें वह आज अपने सभी लोगों को बुला रहा है।

13 यीशु के विश्वासी लोगों में से किसी एक को भी, जब उसकी प्रेमपूर्ण चेतावनी बुलाती है तो वह बाबुल से बाहर आ जाता है (प्रकाशितवाक्य 18:2, 4), यीशु इसके बाद उससे क्या करने को कहता है?

"तुम एक देह होकर बुलाए भी गए हो" (कुलुस्सियों 3:15)। "वही [यीशु] देह, अर्थात् कलीसिया का सिर है" (कुलुस्सियों 1:18)।

उत्तर: बाइबल कहती है कि परमेश्वर के लोगों को एक देह, उस कलीसिया में बुलाया गया है। यीशु उन लोगों को बुलाता है जो शेष कलीसिया - जिसका वह सिर है, में शामिल होने के लिए बाबुल को छोड़ते हैं। यीशु ने कहा, "मेरी और भी भेड़ें हैं, जो इस भेड़शाला की नहीं हैं" (यूहन्ना 10:16)। वह उन्हें पुराने नियम (यशायाह 58:1) और नए नियम (प्रकाशितवाक्य 18:4) दोनों में "मेरे लोग" कहता है। उसकी भेड़ जो कलीसिया के बाहर है, उसके लिए वह कहता है, "मुझे उनको भी लाना अवश्य है। वे मेरा शब्द सुनेंगी, तब एक ही झुण्ड और एक ही चरवाहा होगा। ...

मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं ... और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं" (यूहन्ना 10:16, 27)।

14 कोई उस देह या कलीसिया में कैसे प्रवेश करता है?

"हम सब ने क्या यहूदी हो क्या यूनानी, क्या दास हो क्या स्वतंत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिये बपतिस्मा लिया" (1 कुरिन्थियों 12:13)।

उत्तर: हम बपतिस्मे से यीशु के अंत-समय की शेष कलीसिया में प्रवेश करते हैं। (बपतिस्मे के विवरण के लिए अध्ययन संदर्शिका 9 देखें।)

15 क्या बाइबल अन्य सबूत प्रदान करती है कि यीशु के पास केवल एक शेष कलीसिया है जिसमें वह अपने सभी लोगों को बुला रहा है?

उत्तर: हाँ - यह देती है। आइए इसकी समीक्षा करें:

क. बाइबल कहती है कि केवल एक सच्ची देह, या कलीसिया है (इफिसियों 4:4; कुलुस्सियों 1:18)।

ख. बाइबल कहती है कि हमारा दिन नूह के दिन की तरह है (लूका 17:26, 27)। नूह के दिनों में कितने बच निकले थे? केवल एक-जहाज। एक बार फिर, परमेश्वर ने एक नाव, कलीसिया प्रदान की है, जो पृथ्वी के अंतिम घटनाओं के बीच से अपने लोगों को सुरक्षित रूप से निकाल लेगा। इस नाव को न चुकें!

16 परमेश्वर की शेष कलीसिया के बारे में अच्छी खबर क्या है?

उत्तर:

क. इसका मुख्य विषय "अनन्त सुसमाचार" है - केवल यीशु में विश्वास से धार्मिकता है (प्रकाशितवाक्य 14:6)।

ख. यह यीशु नामक चट्टान (1 कुरिंथियों 3:11; 10:4) पर बनाया गया है, और "अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे" (मत्ती 16:18)।

ग. यीशु ने अपनी कलीसिया के लिए बलिदान दिया (इफिसियों 5:25)।

घ. यीशु ने अपनी शेष कलीसिया का इतना स्पष्ट रूप से वर्णन किया कि इसे पहचानना आसान है। वह पतित कलीसियाओं का भी वर्णन करता है और उनके लोगों को उनसे बाहर बुलाता है। शैतान केवल उन लोगों को फँसायेगा जो अपनी आंखें और हृदय को यीशु की प्रेमपूर्ण पुकार सुनने के लिए बंद रखते हैं।

ङ. इसके सभी सिद्धांत सत्य हैं (1 तीमुथियुस 3:15)।

17 परमेश्वर के शेष लोगों के बारे में अच्छी खबर क्या है?

उत्तर: वे:

क. उसके स्वर्गीय साम्राज्य में बचाए जाएँगे (प्रकाशितवाक्य 15:2)।

ख. यीशु की "शक्ति" और "लहू" के द्वारा शैतान पर विजय प्राप्त करेंगे (प्रकाशितवाक्य 12:10,11)।

ग. धीरज रखेंगे (प्रकाशितवाक्य 14:12)।

घ. यीशु पर विश्वास रखेंगे (प्रकाशितवाक्य 14:12)।

ड़. महिमामयी स्वतंत्रता पाएँगे (यूहन्ना 8:31, 32)।

18 पृथ्वी के समय में बहुत देर हो चुकी है। यीशु का दूसरा आगमन तीन स्वर्गदूतों के संदेश देने के तुरंत बाद होता है (प्रकाशितवाक्य 14:6-14)। अब यीशु के लोगों के लिए तत्काल याचिका क्या है?

"तू अपने सारे घराने समेत जहाज में जा" (उत्पत्ति 7:1)।

उत्तर: नूह के दिनों में, केवल आठ लोगों (नूह समेत) ने परमेश्वर के निमंत्रण पर ध्यान दिया। यीशु आपके लिए अपने अंतिम समय की नाव, शेष कलीसिया, के दरवाजे पर इंतज़ार कर रहा है।

नोट: *यह प्रकाशितवाक्य 14:6-14 के तीन स्वर्गदूतों के संदेशों पर रोमांचकारी श्रृंखला में हमारी आठवीं अध्ययन संदर्शिका है। इस श्रृंखला की अंतिम अध्ययन संदर्शिका भविष्यवाणी के वरदान पर चर्चा करेगी।*

19 क्या आप यीशु के आह्वान को मानकर उसकी शेष कलीसिया की सुरक्षा में आने के लिए तैयार हैं?

आपका उत्तर:

आपके प्रश्नों के उत्तर

1. चीन, जहाँ दुनिया की लगभग एक चौथाई आबादी है, वहाँ सुसमाचार मुश्किल से पहुँचा है। क्या वहाँ हर किसी तक इसके पहुँचने में लंबा समय नहीं लगेगा?

उत्तर: "मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से हो सकता है; क्योंकि परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है" (मरकुस 10:27)। बाइबल कहती है कि परमेश्वर "क्योंकि प्रभु अपना वचन पृथ्वी पर पूरा करके, धार्मिकता से शीघ्र उसे सिद्ध करेगा" (रोमियों 9:28)। वही परमेश्वर जिसने योना को 40 दिनों से कम समय में पश्चाताप करने के लिए पूरे शहर का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाया (योना अध्याय 3) इन अंतिम दिनों में अपने काम को बहुत जल्दी पूरा कर देगा। उसका कहना है कि उसका काम ऐसी तीव्र गति से आगे बढ़ेगा कि परमेश्वर की कलीसिया के लिए आत्माओं के भारी प्रवाह को संभालना लगभग असंभव होगा (आमोस 9:13)। परमेश्वर ने वादा किया है। यह होगा-और जल्द ही होगा!

2. क्या वास्तव में यह गंभीर खतरा है कि, कई जो खुद को मसीही मानते हैं वे यीशु के अचानक आने पर तैयार नहीं पाए जायेंगे, और खो जायेंगे?

उत्तर: हाँ। यीशु ने उस तर्क को शीशे के सामान स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कई चीजों की चेतावनी दी है जो मसीहियों को जाल में फसायेगी और नष्ट कर देगी: (1) हर बात की अधिकता, (2) मतवालापन, (3) इस जीवन की परवाह, और (4) नींद (लूका 21:34; मरकूस 13:34-36)।

क. हर बात की अधिकता - कुछ भी खाने, काम करने, पढ़ने, मनोरंजन इत्यादि में अधिकता आ रही है। यह संतुलन को बिगाड़ती है और स्पष्ट सोच को नष्ट कर देती है। यह यीशु के साथ समय बिताने से रोकती है।

ख. मतवालापन - उन चीजों को संदर्भित करता है जो मूर्खता लाती हैं और हमें स्वर्गीय चीज़ों के लिए एक अशिष्टता देते हैं। उदाहरणों में अश्लीलता, अवैध यौन संबंध, बुरे साथी, बाइबल अध्ययन और प्रार्थना की उपेक्षा, और कलीसिया की सेवाओं से परहेज शामिल हैं। ऐसी चीजें लोगों के सपनों की दुनिया में रहने का कारण बनती हैं और इस तरह वे खो जाते हैं।

ग. इस जीवन की परवाह - मसीहियों को नष्ट कर रही है जो पूरी तरह से अच्छी चीजों को करने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि यीशु, प्रार्थना, वचनों का अध्ययन, साक्ष्य और कलीसिया की सेवाएँ स भीड़ में खो जाती हैं। ऐसा करने से, हम वास्तविकता से अपनी आंखें हटाकर कहीं और लगा लेते हैं और परिधीय मामलों में डूब जाते हैं।

घ. नींद - हमारी आत्मा आध्यात्मिक रूप से सो रही है। यह आज की सबसे बड़ी समस्या हो सकती है। जब कोई व्यक्ति सो जाता है, तो वह नहीं जानता कि वह सो रहा है। यीशु के साथ हमारे रिश्ते को एक बार स्वीकार करने के बाद, बिना शक्ति की अच्छाई के साथ रहना, और यीशु के काम में सक्रिय रूप से शामिल होने से इंकार करना - ये सभी चीजें और अन्य चीजें, उन लोगों को नींद में चलने वाले बना देतीं हैं, जब तक कि जागृत नहीं हो जाते, वे सत्य से दूर जाएँगे।

3. मैं परमेश्वर की शेष कलीसिया में शामिल हो गया, और कभी भी इतना खुश नहीं हुआ। लेकिन, शैतान द्वारा मुझे कभी भी परेशान नहीं किया गया। ऐसा क्यों है?

उत्तर: क्योंकि शैतान परमेश्वर के शेष लोगों से नाराज है और उनको चोट पहुँचाने और उन्हें हतोत्साहित करने को प्रयास करने में समय व्यतीत करता है (**प्रकाशितवाक्य 12:17**)। यीशु ने यह वादा नहीं किया था कि उसके लोग, कठिन समय और शैतान के द्वारा दी गई गंभीर चोट से परीक्षण, दुःख, या हमले का सामना नहीं करेंगे। उन्होंने वादा किया कि वास्तव में, ऐसी चीजें उनके लोगों के पास आती हैं (**2 तीमुथियुस 3:12**)। हालांकि, उन्होंने महिमामय से वादा किया था कि : (1) वह अपने लोगों को विजय देगा (**1 कुरिन्थियों 15:57**), (2) वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा जब वे इन सबकुछ का सामना कर रहे होंगे (**मत्ती 28:20**), (3) उन्हें शांति देगा (**यूहन्ना 16:33; भजन संहिता 119:165**), और (4) उन्हें कभी नहीं त्यागेगा (**इब्रानियों 13:5**)। आखिरकार, यीशु ने अपनी संतानो को इतना कसकर पकड़ने का वादा किया कि कोई भी उन्हें उसके हाथों से बाहर नहीं निकाल पाएगा (**यूहन्ना 10:28, 29**)। आमिन!

4. "कलीसिया" शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर: "कलीसिया" शब्द का अनुवाद ग्रीक शब्द "एक्लेसिया" से किया गया है, जिसका अर्थ है "बुलाया गया।" कितना सही है! यीशु के लोगों को दुनिया और बाबुल से बाहर उनकी बहुमूल्य सुरक्षा के लिए बुलाया जाता है। जब यीशु उन्हें बुलाता है तो लोग बपतिस्मा लेकर यीशु की अंत-समय की शेष कलीसिया का हिस्सा बन जाते हैं। यीशु कहता है, "मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं ... और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं" (**यूहन्ना 10:27**)।

अपनी टिप्पणियाँ या प्रश्न यहाँ लिखें

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

यह अध्ययन संदर्शिका 27 की शृंखला में से केवल एक है!

प्रत्येक पाठ आश्चर्यजनक तथ्यों से भरा हुआ है जो आपको और आपके परिवार को परिवर्तित कर देगा और आपको स्थायी उम्मीद दिलाएगा। एक भी ना चूकें।

अध्ययन संदर्शिका 15: ख्रीस्त विरोधी कौन है?
अध्ययन संदर्शिका 16: अंतरिक्ष से स्वर्गदूत के संदेश
अध्ययन संदर्शिका 17: परमेश्वर ने योजनाएं बनाई
अध्ययन संदर्शिका 18: सही समय पर! भविष्यवाणी की नियुक्तियों का खुलासा!
अध्ययन संदर्शिका 19: अंतिम न्याय
अध्ययन संदर्शिका 20: पशु की छाप
अध्ययन संदर्शिका 21: बाइबल भविष्यवाणी में संयुक्त राज्य अमरीका
अध्ययन संदर्शिका 22: दूसरी स्त्री
अध्ययन संदर्शिका 23: मसीह की दुल्हन (चर्च)
अध्ययन संदर्शिका 24: क्या परमेश्वर ज्योतिषियों एवं आध्यात्मिक वादों को प्रेरित करता है?
अध्ययन संदर्शिका 25: हम परमेश्वर पर भरोसा करते हैं
अध्ययन संदर्शिका 26: एक प्रेम जो बदलाव लाता है
अध्ययन संदर्शिका 27: पीछे मुड़ना नहीं

सारांश पत्र 23

इस सारांश पत्र को हल करने से पहले कृप्या इस पाठ को पढ़ ले। अध्ययन संदर्शिका में सभी उत्तर पाए जा सकते हैं। सही उत्तर पर सही चिन्ह करें। कोष्ठकों में दी गई संख्या (?) सही उत्तरों की संख्या दर्शाती हैं। (✓) फॉर्म भरने के लिए कृपया "**अडोबी रीडर**" का उपयोग करें।

1. यीशु भविष्यवाणी में अपनी सच्ची कलीसिया का प्रतीक कैसे देता है? (1)

- ☐ एक लंबी सीढ़ी से।
- ☐ एक पशु के रूप में ।
- ☐ एक उज्ज्वल स्वर्गदूत के द्वारा।
- ☐ एक शुद्ध स्त्री के रूप में।
- ☐ एक रहस्यमय बादल से।

2. "जंगल" क्या था जिसमें कलीसिया भाग गयी? (1)

- ☐ गुफाओं, जंगलों, आदि जैसे वीरान स्थान
- ☐ सहारा रेगिस्तान।
- ☐ इराक
- ☐ गोबी रेगिस्तान।

3. निम्नलिखित तथ्य तीन स्वर्गदूतों के संदेश का हिस्सा हैं: (3)

- ☐ बाबुल गिर गया है। उससे बाहर निकलो!
- ☐ नरक सदा जलता रहता है।
- ☐ परमेश्वर का न्याय चल रहा है। उसके पवित्र सब्त को मानकर सृष्टिकर्ता के रूप में उसकी स्तुति करें, प्रशंसा करें और उसकी अराधना करें - जो उसका चिन्ह या मुहर है।
- ☐ आपदाएँ समाप्त हो गई है।
- ☐ सभी बचाए जा रहे हैं।
- ☐ पशु की स्तुति न करें या उसकी मुहर न लें।

4. यीशु हमें अपनी शेष कलीसिया में मार्गदर्शन करने के लिए छह पहचान बिंदु प्रदान करता है। यह कलीसिया (6)

- ☐ बहुत अच्छे मसीही हैं।
- ☐ सब्त के साथ दस आज्ञाओं को मानती है।
- ☐ कुछ ढोंगी भी हैं।
- ☐ उत्साही मसीही गीत गायन का आनंद लेती है।
- ☐ बहुत प्रार्थना करती है।
- ☐ ई. 538 और 1798 के बीच एक आधिकारिक संगठन के रूप में मौजूद नहीं थी।
- ☐ उसके पास भविष्यवाणी का वरदान है।
- ☐ विभिन्न भाषाओं में बोलते हैं।
- ☐ एक विश्वव्यापी मिशनरी कलीसिया है।
- ☐ कई बढ़िया कलीसिया भवन हैं।
- ☐ वह 1798 के बाद उठकर अपना काम कर रही है।
- ☐ वह प्रकाशितवाक्य 14:6-14 के तीन स्वर्गदूतों के संदेश का प्रचार करती है और सिखाती है।

5. कलीसिया कब तक जंगल में थी? (1)

- ☐ पांच साल
- ☐ 1,260 साल
- ☐ 1,000 साल
- ☐ 33 साल
- ☐ 680 साल

6. कृपया कॉलम एक में प्रत्येक प्रतीक से पहले वाले अक्षर को कॉलम दो में उसके शाब्दिक अर्थ से पहले रखें (नीचे उदाहरण देखें)। (6)

प्रतीक		शाब्दिक अर्थ
A. बारह सितारों का मुकुट	A.	आखिरी बचा हुआ हिस्सा
B. स्त्री के पावं के नीचे चंद	A.	यीशु
C. बड़ा लाल अजगर	___A___	बारह चेलो
D. शेष	A.	कलीसिया
E. स्त्री	A.	पुराने नियम की बलिदान प्रणाली
F. सूरज	A.	मूर्तिपूजक रोम द्वारा शैतान का कार्य
G. स्त्री से जन्मा बच्चा	A.	यीशु और उसकी धार्मिकता

7. क्या यीशु अपने लोगों को दुनिया और बाबुल से निकलने को कहता है और उसकी शेष कलीसिया में बुलाता है? (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

8. शेष कलीसिया में कैसे शामिल हो सकते हैं? (1)

- ☐ प्रचारक से हाथ मिलकर।
- ☐ सदस्यता कार्ड पर हस्ताक्षर करके।
- ☐ बपतिस्मे के द्वारा।
- ☐ एक बड़ा दान देकर।

अगले पृष्ठ पर जारी

9. सभी कलीसियाओं में बहुत से अच्छे मसीही हैं, और यहाँ तक कि कुछ जो किसी भी कलीसिया के सदस्य नहीं हैं। (1)

☐ हाँ। ☐ नहीं।

10. निम्नलिखित में से कौन सी चीजें मसीहियों को अचानक चौंका देती हैं और उनके खोने का कारण बनती हैं? (4)

☐ हर बात की अधिकता।
☐ इस जीवन की परवाह करना।
☐ अपने धर्म के बारे में बहुत उत्साहित होना।
☐ आध्यात्मिक मतवालापन।
☐ आध्यात्मिक रूप से सोना।
☐ वफादार गवाही।
☐ अखबार पढ़ना।

11. परमेश्वर सुसमाचार को हर प्राणी के पास शीघ्र ले जाकर अपना काम शीघ्र कर देगा। (1)

☐ हाँ। ☐ नहीं।

12. इनमें से कौन सा वादा परमेश्वर अपनी संतानों से करता है? (4)

☐ शाँति।
☐ उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी।
☐ विजय।
☐ वे कभी बीमार नहीं होंगे।
☐ कोई भी उन्हें उसके और यीशु के हाथों से बाहर नहीं निकाल सकता है।
☐ वह उन्हें कभी नहीं त्यागेगा।
☐ वे अमीर होंगे।

13. "कलीसिया" शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है? (1)

☐ उपासना का स्थान।
☐ विश्वासियों की एक मंडली।
☐ "बुलाए गए लोग"।
☐ एक गिरजाघर।

14. मैं परमेश्वर के अंत-समय की शेष कलीसिया का हिस्सा बनना चाहता हूँ।

☐ हाँ। ☐ नहीं।

उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर देना सुनिश्चित करें!

AMAZING FACTS India

नामांकित होने के लिए अपना नाम, ईमेल और फोन नंबर दर्ज करें। अपनी अगली मुफ्त अध्ययन मार्गदर्शिका प्राप्त करने के लिए "जमा करें" पर क्लिक करें।

आपका नाम :					
आपका ईमेल :					
फोन नंबर :					
आपका पता :					
शहर जिला :		*राज्य :*		*देश:*	India
पिन:		*आयु वर्ग :*		*लिंग :*	

जमा करें

अपनी संपर्क जानकारी अपडेट करें

© 2020 Amazing Facts India • All Rights Reserved • Printed in India • +91 9169164480